No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

08246

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है । शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) का सिंगार ओहि बरनौं, राजा ।
ओहिक सिंगार ओहि पै छाजा ।।
प्रथम सीस कस्तूरी केसा ।
बलि बासुकि का और नरेसा ।।
भौंर केस वह मालति रानी ।
बिसहर लुरे लेहिं अरघानी ।।
बेनी छोरि झार जौं बारा ।
सरग पतार होइ अंधियारा ।।
कोंवर कुटिल केस नग कारे ।
लहरन्हि भरे भुअंग बेसारे ।।
बेधे जनौं मलयगिरि बासा ।
सीस चढ़े लोटहिं चहुँ पासा ।।
घुंघरवार अलकैं विषभरी ।
सँकरे पेम चहैं गिउ परी ।।

(ख) तू दयालु, दीन हौं, तु दानि, हौं भिखारी ।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पापपुंज-हारी ।।
नाथ तू अनाथ को, अनाथ कौन मोसो ?
मो समान आरत नहिं, आरतिहर तोसो ।।
ब्रह्म तू, हौं जीव, तू ठाकुर, हौं चेरो ।
तात, मात, गुरु, सखा तू सब बिधि हितू मेरो ।।
तोहिं-मोंहि नाते अनेक मानिये जो भावै ।
ज्यों-त्यों तुलसी कृपालु ! चरन-सरन पावै ।

(ग) मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोई ।
जा तन की झाँई परैं स्यामु हरित दुति होइ ।
कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात ।
भरे भौन में करत हैं नैननु हीं सब बात ।

(घ) कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है ।
कहै पद्माकर परागन में पौनहू में,
पातन में पिक में पलासन पगंत है ।
द्वारे में दिसान में दुनी में देस देसन में,
देखौ दीपदीपन में दीपत दिगंत है ।
बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में,
बनन में बागन में बगर्‌यो बसंत है ।

2. विद्यापति की काव्य-भाषा की प्रमुख विशेषताएँ बताइए । *10*

3. कवि के रूप में कबीर का मूल्यांकन कीजिए । *10*

4. तुलसी कृत 'कवितावली' में वर्णित सामाजिक यथार्थ का निरूपण कीजिए । *10*

5. मीरा की काव्य-भाषा और शिल्प की विशेषताएँ बताइए । *10*

6. मुक्तक काव्य-परम्परा में बिहारी का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए । *10*

7. घनानंद के काव्य-कौशल और भाषा का विश्लेषण कीजिए । *10*